आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 28.07.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण का मतदान आज, चौदह हजार सात सौ इक्कावन प्रत्याशियों का भाग्य होगा तय।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ की कार्यशाला को किया संबोधित, उत्तराखंड के स्वर्णकारों से पारंपरिक आभूषणों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का किया आह्वान।
- साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में चंपावत जिले में ऐतिहासिक बाणासुर किले की पहाड़ी से पैराग्लाइडिंग उड़ानों की शुरुआत की जाएगी।
- सावन के दूसरे सोमवार पर आज प्रदेश के शिवालयों में तड़के से श्रद्धालुओं की भीड़।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान आज सुबह 8 बजे से शुरू होगा। इस चरण में राज्य के 12 जिलों के 40 विकासखंडों में वोटिंग होगी। लगभग 21 लाख मतदाता चौदह हजार सात सौ इक्कावन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

सभी पोलिंग पार्टियां कल देर शाम तक अपने गंतव्यों पर पहुंच गईं हैं और मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन ने पुख्ता इंतज़ाम किए हैं ताकि मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो सके।

इस बार पंचायत चुनाव दो चरणों में कराया जा रहा है। पहले चरण का मतदान चौबीस जुलाई को हो चुका है। मतगणना 31 जुलाई को कराई जाएगी। पूरे चुनाव में मतपत्र के जरिए मतदान कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में मतदान के लिए प्रदेशवासियों से सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं और इन चुनावों में प्रत्येक मतदाता की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं का संचालन होता है। उन्होंने सभी मतदाताओं; विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुँचकर लोकतंत्र को सशक्त बनाएं।

कार्यशाला/मुख्यमंत्री संबोधन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के स्वर्णकारों से पारंपरिक आभूषणों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का आग्रह किया। देहरादून में आयोजित अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ की कार्यशाला और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने कहा कि भारतीय कला और संस्कृति को लेकर आज पूरी दुनिया में आकर्षण बढ़ रहा है और 'लोकल टू ग्लोबल' का सपना पारंपरिक डिज़ाइनों को आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप ढालकर ही पूरा किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रयास युवाओं को भी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का काम करेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि स्वर्णकार संगठन कोई ठोस प्रस्ताव लेकर आते हैं तो राज्य सरकार कौशल विकास और आभूषणों के वैश्वीकरण से जुड़े हर कदम में उनका सहयोग करेगी। साथ ही, राज्य में स्वर्णकार बोर्ड गठन पर भी विचार किया जाएगा।

कार्यक्रम में देशभर से आए स्वर्णकारों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्णकार केवल आभूषण निर्माता नहीं, बल्कि वे हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने वाले भी हैं। उन्होंने इतिहास में स्वर्णकारों की भूमिका को भी रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखंड सरकार भी पारंपरिक कौशल और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, जिनमें आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण और लघु व कुटीर उद्योगों को आर्थिक सहायता शामिल है।

इको–टूरिज्म डेस्टिनेशन

चम्पावत जिले की श्यामलाताल झील को समग्र इको–टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में काम तेज हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार ने परियोजना स्थल का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत लेक फ्रंट डवलपमेंट परियोजना के तहत चार करोड़ नब्बे लाख रुपये की लागत से इस क्षेत्र में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पेयजल निर्माण निगम लोहाघाट के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने झील किनारे सौंदर्यीकरण, पर्यटक सुविधाओं के विकास और पर्यावरणीय गतिविधियों को बढ़ावा देने से जुड़े पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया।

जिलाधिकारी ने एंट्रेंस पेरगोला, कैफेटेरिया, वाटर कल्वर्ट, पाथवे सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्य की गुणवत्ता और डिज़ाइन की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप तेज़ी और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि श्यामलाताल की शांति और आध्यात्मिकता को देखते हुए यहां एक आध्यात्मिक परिसर विकसित किए जाने की संभावना है। यह क्षेत्र भविष्य में प्राकृतिक पर्यटन के साथ–साथ आध्यात्मिक पर्यटन का भी केंद्र बन सकता है।

गिरफ्तारी

हरिद्वार जिले में मिशन ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025 और ऑपरेशन लगाम के तहत लक्सर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नशीले कैप्सूल की तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो प्रकार के कुल 112 नशीले कैप्सूल बरामद हुए हैं।

चौकी प्रभारी रायसी, उपनिरीक्षक नीरज रावत ने बताया कि टीम लगातार क्षेत्र में निगरानी और चेकिंग अभियान चला रही है। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर अभियुक्त को पकड़ा गया।

पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी तेज़ी से जारी रहेगी।

पैराग्लाइडिंग

उत्तराखंड में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में चंपावत जिले में ऐतिहासिक बाणासुर किले की पहाड़ी से पैराग्लाइडिंग उड़ानों की शुरुआत की गई है।

पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल के निर्देश पर स्थानीय युवाओं को दो पैराग्लाइडर उपलब्ध कराए गए हैं और उन्हें नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि इसी वर्ष अक्टूबर–नवंबर से चंपावत में व्यावसायिक टैण्डम पैराग्लाइडिंग की विधिवत शुरुआत हो सके।

इस प्रयास के तहत एक ओर जहां पर्यटक रोमांचक पैराग्लाइडिंग का अनुभव ले सकेंगे, वहीं दूसरी ओर स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर भी खुलेंगे।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि चंपावत की प्राकृतिक सुंदरता और साहसिक गतिविधियों की संभावनाओं को देखते हुए पैराग्लाइडिंग जैसी पहल युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार देने के साथ जिले को पर्यटन के मानचित्र पर भी स्थापित करेगी। उन्होंने बताया कि प्रशासन इस परियोजना को हरसंभव सहयोग दे रहा है और भविष्य में चूका और पंचेश्वर जैसे स्थलों को भी साहसिक पर्यटन से जोड़े जाने की योजना है।

सावन सोमवार

सावन के दूसरे सोमवार की सुबह में आज उत्तराखंड शिवभक्ति में रंगा नजर आ रही है। तड़के से ही प्रदेश के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालु जुटने लगे हैं। हर–हर महादेव और बोल बम के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज रहे हैं और भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

देहरादून के टपकेश्वर महादेव मंदिर में सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। भक्त दूध, जल, बेलपत्र और धतूरा लेकर भोलेनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे। हरिद्वार के दक्षेश्वर महादेव मंदिर, कनखल क्षेत्र, और चंडीघाट के शिवालयों में भी सुबह–सवेरे से भारी भीड़ उमड़ रही है।

अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम, बागेश्वर के बैजनाथ मंदिर और रुद्रप्रयाग के त्रियुगीनारायण मंदिर में भी शिवभक्तों की टोलियां दर्शन के लिए पहुंच रही हैं।

मंदिर प्रबंधनों ने दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं, वहीं पुलिस और प्रशासन भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद है।

स्थिति सामान्य

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना के बाद प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित कर मंदिर को पुनः श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनज़र व्यवस्थाएं बेहतर की जा रही हैं।

मौसम

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आज बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने देहरादून, पौड़ी, नैनीताल, टिहरी, चंपावत और बागेश्वर जिले में कहीं–कहीं भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में बारिश का यह दौर आने वाले दिनों में भी जारी रह सकता है।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर

हरिद्वार में मंसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में आठ लोगों की मृत्यु– यह खबर सभी प्रमुख समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित की गई है। दैनिक जागरणरू लिखता है– करंट फैलने की अफवाह के बाद परिसर से 100 मीटर पहले सीढ़ियों पर हुआ हादसा। इसी पर राष्ट्रीय सहारा समाचार पत्र की सुर्खी है– मुख्यमंत्री ने दिये घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश।

पंचायत चुनाव में दूसरे चरण का मतदान की ख़बर भी सभी समाचार पत्रों की सुर्खियों में है। हिंदुस्तान समाचार पत्र ने लिख है– 40 ब्लॉकों में पांच हजार 33 पदों के लिए होगा मतदान। इसी पर दैनिक जागरण लिखता है– 14 हजार 751 प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला आज होगा मतपेटियों में बंद।

ऑपरेशन सिंदूर पर केंद्र सरकार संसद में रखेगी अपना पक्ष, हिंदुस्तान समाचार पत्र ने शीर्षक दिया है।

एक अन्य ख़बर पर दैनिक जागरण का शीर्षक है– प्रधानमंत्री को भाया कीर्तिनगर के कूड़ा प्रबंधन का मॉडल, मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री बोले – अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में मिसाल कायम कर रहे हैं कीर्तिनगर के लोग।